UPSC & ALL STATE PCS EXAM

Result Mitra

DAILY CURRENT AFFAIRS

28 NOVEMBER 2024

- संविधान का मसौदा तैयार करने महिलाओं की भूमिका
- कॉप 29 : मुख्य निष्कर्ष
- CSIR-NIScPR ने किया जनजातीय गौरव दिवस और जनजातीय गौरव वर्ष का आयोजन
- साइक्लोन फेंगल
- वर्ष 1950 के बाद पहली बार जम्मू और कश्मीर में संविधान दिवस मनाया गया
- ग्वालियर में 100 टीपीडी गोबर आधारित सीबीजी संयंत्र का उद्घाटन

● LIVE 8:00 AM

Er. Ravi Mohan Sharma Sir

PIB | THE HINDU | The Indian EXPRESS JOURNALISM OF COURAGE

Daily Current Affairs

Result Mitra

संविधान का मसौदा तैयार करने महिलाओं की भूमिका

सन्दर्भ:

- संविधान सभा में 15 महिलाओं ने संविधान निर्माण में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया। इन्होंने लिंग, जाति और आरक्षण जैसे मुद्दों पर बहस की। 26 नवंबर को राष्ट्रपति ने उनके योगदान को याद किया।

स्रोत: द इंडियन एक्सप्रेस

Daily Current Affairs

Result Mitra

संविधान का मसौदा तैयार करने महिलाओं की भूमिका

प्रमुख बिंदु:

- भारतीय संविधान सभा में 299 सदस्य थे, जिनमें 15 महिलाएँ भी थीं (जिनमें से दो ने बाद में इस्तीफा दिया)।
- सरोजिनी नायडू, सुचेता कृपलानी और विजयलक्ष्मी पंडित प्रमुख महिला सदस्यों में थीं।

स्रोत: द इंडियन एक्सप्रेस

Daily Current Affairs

Result Mitra

संविधान का मसौदा तैयार करने महिलाओं की भूमिका

प्रमुख बिंदु:

- कम प्रसिद्ध महिलाओं ने भी विभिन्न क्षेत्रों से आकर लिंग, जाति और आरक्षण पर चर्चाओं में योगदान दिया।
- संविधान दिवस (26 नवंबर) पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संविधान निर्माण में इन महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। हम उनमें से पांच को याद करते हैं।

स्रोत: द इंडियन एक्सप्रेस

अम्मू स्वामीनाथन (1894-1978)

- केरल के पलक्कड़ से; विवाह के पहले अपनी स्वतंत्रता की शर्तें रखीं।
- माँ के संघर्ष देखकर विधवाओं पर लगाए गए प्रतिबंधों का विरोध किया।
- संविधान सभा में लैंगिक समानता और हिंदू कोड बिल की वकालत की।
- स्वतंत्रता के बाद चुनी गईं; रूस, चीन और अमेरिका की सद्भावना दूत रहीं।

Result Mitra

एनी मास्करेन (1902-1963)

- त्रावणकोर में जन्मी; जातिगत भेदभाव और सार्वभौमिक मताधिकार के लिए संघर्ष किया।
- विरोधियों ने घर पर हमला किया, लेकिन उन्होंने सक्रियता जारी रखी।
- संविधान सभा में मजबूत केंद्र और स्थानीय स्वायत्तता का संतुलन महत्व दिया।
- 1952 में स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में तिरुवनंतपुरम से चुनी गईं।

Result Mitra

बेगम कुदसिया ऐजाज़ रसूल (1909-2001)

- पंजाब के रईस परिवार से; धार्मिक आधार पर पृथक निर्वाचक मंडल का विरोध किया।
- मुस्लिम लीग के साथ जुड़ीं लेकिन विभाजन के बाद भारत में रहीं और कांग्रेस में शामिल हुईं।
- महिलाओं के लिए कार्य किया और बाद में महिला हॉकी को बढ़ावा दिया।
- 1952 में उत्तर प्रदेश से राज्यसभा के लिए चुनी गईं।

Result Mitra

दक्षायनी वेलायुधन (1912-1978)

- विज्ञान में स्नातक करने वाली पहली दलित महिला और कोचीन विधान परिषद की सदस्य।
- शिक्षा में भेदभाव का सामना किया लेकिन सक्रियता जारी रखी।
- पृथक निर्वाचक मंडल को विभाजनकारी बताया और इसका विरोध किया।
- आर्थिक कठिनाइयों के कारण राजनीति से दूर हुईं लेकिन दलित आंदोलन में सक्रिय रहीं।

Result Mitra

रेणुका राय (1904-1997)

- बांग्लादेश के पबना में जन्मी; गांधी से प्रेरित होकर स्वतंत्रता संग्राम में शामिल हुई।
- लंदन में पढ़ाई की और महिलाओं के उत्तराधिकार व तलाक के अधिकारों के लिए काम किया।
- विधानसभाओं में महिलाओं के आरक्षण का विरोध किया, इसे सीमित करने वाला बताया।
- 1957 का चुनाव जीता; बंगाल सरकार में काम किया और बाद में सामाजिक कार्य में लौटीं।

Result Mitra

Daily Current Affairs

Result Mitra

कॉप 29 : मुख्य निष्कर्ष

- COP29 ने वित्तीय जरूरतों को पूरा करने में असफलता दिखाई, और उत्सर्जन कटौती भी अपर्याप्त है। विकसित देशों द्वारा दायित्वों को कम करने और प्रणाली को कमजोर करने से विकासशील देशों का विश्वास हिल गया है।

स्रोत: द इंडियन एक्सप्रेस

Daily Current Affairs

Result Mitra

कॉप 29 : मुख्य निष्कर्ष

प्रमुख बिंदु:

- **वित्तीय समझौता:** विकसित देशों ने 2035 से विकासशील देशों के लिए प्रति वर्ष $300 बिलियन जुटाने का वादा किया, जो वर्तमान $100 बिलियन से अधिक है, लेकिन आवश्यक $1 ट्रिलियन से काफी कम।
- **लक्ष्य असफलता:** वैश्विक उत्सर्जन कटौती अपर्याप्त है; 2030 तक केवल 2% कटौती की उम्मीद है, जबकि पेरिस समझौते के तहत 43% की आवश्यकता है।

स्रोत: द इंडियन एक्सप्रेस

Daily Current Affairs

Result Mitra

कॉप 29 : मुख्य निष्कर्ष

प्रमुख बिंदु:

- संरचनात्मक अप्रभावशीलता: "प्रदूषक भुगतान करें" सिद्धांत पर आधारित प्रणाली विकसित देशों पर अधिक जिम्मेदारी डालती है, जिससे वैश्विक शक्ति संरचना में तनाव उत्पन्न होता है।
- जिम्मेदारी में कमी: पेरिस समझौते ने उत्सर्जन कटौती के लक्ष्य को स्वैच्छिक और "राष्ट्रीय रूप से निर्धारित" बना दिया, जबकि वित्तीय दायित्वों को स्थानांतरित करना जारी रखा।

स्रोत: द इंडियन एक्सप्रेस

Daily Current Affairs

Result Mitra

कॉप 29 : मुख्य निष्कर्ष

क्योटो प्रोटोकॉल

प्रमुख बिंदु:

- **विघटन प्रक्रिया:** क्योटो प्रोटोकॉल को अपनाने के बाद से, इसकी संरचना को कमजोर करने के प्रयास किए गए, जिसमें विकसित और विकासशील देशों के बीच भेद को बदलना और दायित्वों को कम करना शामिल है।
- **भरोसे में कमी:** जिम्मेदारियों के कमजोर होने से विकासशील देशों के बीच विश्वास में गिरावट आई है, जिससे प्रणाली की प्रभावशीलता कम हो गई है।

स्रोत: द इंडियन एक्सप्रेस

Result Mitra

कॉप 29 : मुख्य निष्कर्ष

प्रमुख बिंदु:

- **सीमित उपयोगिता:** बाधाओं के बावजूद, यह वार्ता कमजोर देशों जैसे तुवालु और मार्शल आइलैंड्स को उनकी चिंताओं को व्यक्त करने और कुछ वित्तीय सहायता प्राप्त करने का मंच प्रदान करती है।

स्रोत: द इंडियन एक्सप्रेस

COP के बारे में

- COP (Conference of Parties) संयुक्त राष्ट्र के जलवायु परिवर्तन फ्रेमवर्क कन्वेंशन (UNFCCC) का वार्षिक सम्मेलन है, जो 1995 से हर वर्ष आयोजित होता है।
- इसका उद्देश्य जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए वैश्विक स्तर पर बातचीत और समझौता करना है।

Result Mitra

Result Mitra™

COP के बारे में

- इस सम्मेलन में सदस्य देश जलवायु परिवर्तन से संबंधित कदम, उत्सर्जन में कमी, वित्तीय सहायता और टिकाऊ विकास के उपायों पर चर्चा करते हैं।
- COP का पहला सम्मेलन 1995 में बर्लिन, जर्मनी में आयोजित हुआ था।

1996

पहला सम्मेलन
1995 - बर्लिन (जर्मनी)

COP के बारे में

COP की प्रमुख उपलब्धियाँ

1. 1997: क्योटो प्रोटोकॉल:

- पहली बार विकसित देशों के लिए कानूनी रूप से बाध्यकारी उत्सर्जन लक्ष्य तय किए गए।
- क्योटो प्रोटोकॉल "साझा लेकिन विभेदित जिम्मेदारी" के सिद्धांत पर आधारित है और यह जीएचजी उत्सर्जन पर बाध्यकारी सीमाओं वाली एकमात्र वैश्विक संधि है।
- 2020 तक समाप्त हुआ लेकिन कई देशों ने इसे अनदेखा किया।

Result Mitra

Result Mitra

COP के बारे में

COP की प्रमुख उपलब्धियाँ

2. 2015: पेरिस समझौता:

2015- पेरिस समझौता

- वैश्विक तापमान वृद्धि को 2°C से नीचे और 1.5°C तक सीमित करने का लक्ष्य।

वैश्विक तापमान

- "राष्ट्रीय रूप से निर्धारित योगदान" (NDC) की अवधारणा लागू हुई।

वृद्धि 2°C - 1.5°C

COP के बारे में

COP की प्रमुख उपलब्धियाँ

3. 2018: कटोविस नियमपुस्तिका

- पेरिस समझौते को लागू करने के लिए दिशानिर्देश तय हुए।

4. 2021: COP26 (ग्लासगो):

- मीथेन उत्सर्जन में कटौती के लिए 100 देशों ने प्रतिज्ञा की।
- कोयला उपयोग को चरणबद्ध रूप से समाप्त करने की पहल।

Result Mitra

COP के बारे में

COP की प्रमुख उपलब्धियाँ

5. 2022: COP27 (शर्म अल-शेख):

- "लॉस एंड डैमेज फंड" स्थापित किया गया, जो जलवायु आपदाओं से प्रभावित देशों की मदद करता है।

Result Mitra

COP के बारे में

COP की प्रमुख उपलब्धियाँ

6. COP29:

- वित्तीय प्रतिबद्धता $100 बिलियन से बढ़ाकर $300 बिलियन हुई।
- हालांकि, यह वैश्विक तापमान नियंत्रण और जलवायु वित्त आवश्यकताओं को पूरा करने में पर्याप्त नहीं है।
- COP शिखर सम्मेलन ने जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए कई मील के पत्थर हासिल किए हैं, लेकिन विकसित और विकासशील देशों के बीच जिम्मेदारी को लेकर लगातार तनाव जारी है। COP29 ने इस विभाजन को और गहरा किया।

Result Mitra

Daily Current Affairs

Result Mitra

CSIR-NIScPR ने किया जनजातीय गौरव दिवस और जनजातीय गौरव वर्ष का आयोजन

- CSIR-NIScPR ने 26 नवंबर 2024 को जनजातीय गौरव दिवस और जनजातीय गौरव वर्ष का आयोजन किया, जिसमें बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती और आदिवासी समुदाय के योगदान को सम्मानित किया गया।

स्रोत: पीआईबी

Daily Current Affairs

Result Mitra

CSIR-NIScPR ने किया जनजातीय गौरव दिवस और जनजातीय गौरव वर्ष का आयोजन

प्रमुख बिंदु:

- डॉ. योगेश सुमन ने बिरसा मुंडा की स्वतंत्रता संग्राम में भूमिका को प्रस्तुत किया।
- आदिवासी जीवनस्तर सुधारने के लिए CSIR Aroma Mission, Unnat Bharat Abhiyaan, और Heeng Cultivation Project जैसी योजनाओं की जानकारी दी।

स्रोत: पीआईबी

Daily Current Affairs

Result Mitra

CSIR-NIScPR ने किया जनजातीय गौरव दिवस और जनजातीय गौरव वर्ष का आयोजन

प्रमुख बिंदु:

- CSIR Aroma Mission का प्रभाव: डॉ. सुमन रे ने आदिवासी किसानों की आय में सुधार, नई फसलों के बारे में जानकारी दी।
- सफलता की कहानियाँ: तमिलनाडु के अन्नामलाई टाइगर रिजर्व में लेमन घास की खेती के उदाहरण से किसानों की आय दोगुनी होने की बात की।

लेमन घास की खेती

स्रोत: पीआईबी

Daily Current Affairs

Result Mitra

CSIR-NIScPR ने किया जनजातीय गौरव दिवस और जनजातीय गौरव वर्ष का आयोजन

प्रमुख बिंदु:

- आदिवासी समस्याएँ: पानी की कमी, महंगे उर्वरक, दूरदराज क्षेत्र और स्वास्थ्य-शिक्षा की कमी पर चर्चा की।
- समापन: आर.के.एस. रौशन ने आदिवासी समुदायों के लिए तकनीकी हस्तक्षेप की आवश्यकता पर बल दिया।
- संविधान दिवस शपथ: CSIR-NIScPR के सभी कर्मचारियों ने भारत के संविधान दिवस पर शपथ ली।

स्रोत: पीआईबी

जनजातीय गौरव दिवस और जनजातीय गौरव वर्ष

- जनजातीय गौरव दिवस: यह दिवस 15 नवंबर को मनाया जाता है, जो संथाली क्रांतिकारी नेता और स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा की जयंती के रूप में मनाया जाता है।
- बिरसा मुंडा ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और आदिवासी समुदायों के अधिकारों के लिए आवाज उठाई। इस दिन को आदिवासी समुदाय के इतिहास, संस्कृति और उनके संघर्ष को सम्मान देने के लिए मनाया जाता है।

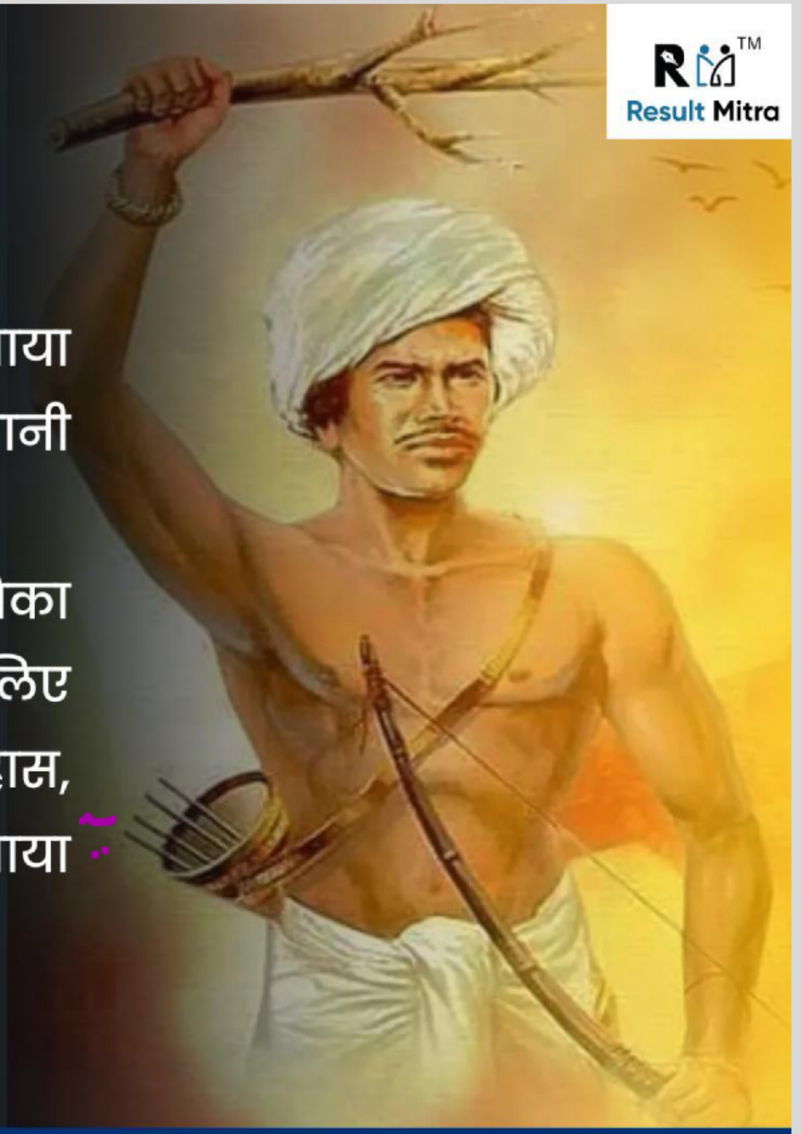

Result Mitra

जनजातीय गौरव दिवस और जनजातीय गौरव वर्ष

- जनजातीय गौरव वर्ष: 2024 को पूरे वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है, जिसमें आदिवासी समाज की असंख्य महत्वपूर्ण सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और सामाजिक योगदानों को याद किया जा रहा है। इस वर्ष के दौरान आदिवासी समुदायों की संस्कृति और उनके संघर्षों को उजागर करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम और गतिविधियाँ आयोजित की जा रही हैं।

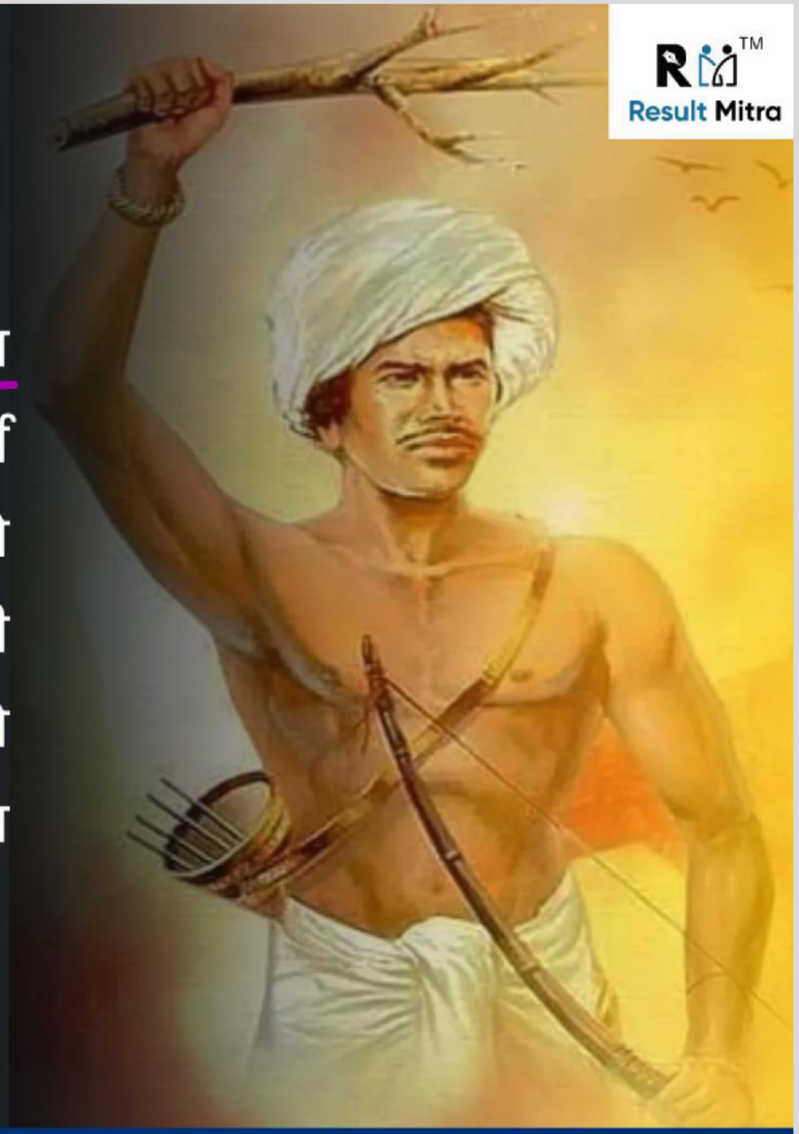

Result Mitra

जनजातीय गौरव दिवस और जनजातीय गौरव वर्ष

उद्देश्य:

- आदिवासी समुदायों की पहचान और उनके योगदान को समाज में बढ़ावा देना।
- आदिवासी जीवन शैली, उनके संघर्ष और उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाना।
- सरकार और समाज द्वारा आदिवासी समाज के विकास और कल्याण के लिए कदम उठाना।

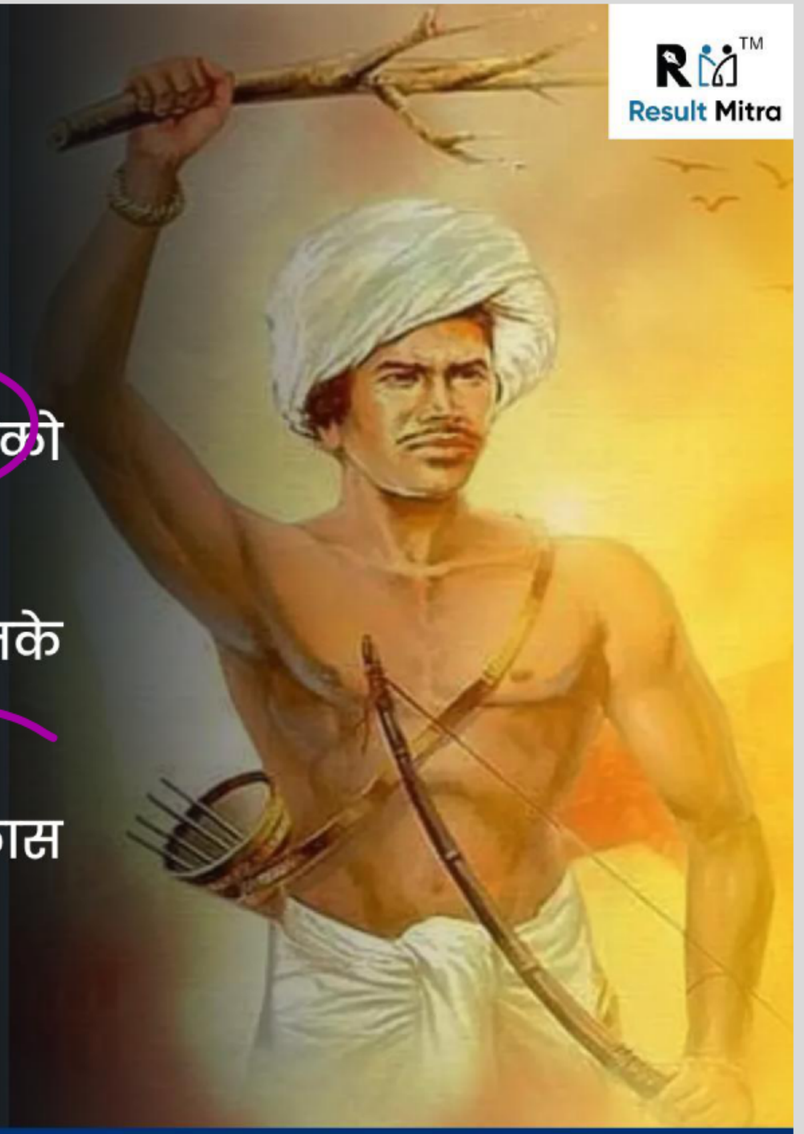

Result Mitra

Daily Current Affairs

Result Mitra

CSIR-NIScPR ने किया जनजातीय गौरव दिवस और जनजातीय गौरव वर्ष का आयोजन

CSIR-NIScPR के बारे में

स्थापना:

- CSIR-NIScPR, भारत सरकार के वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (CSIR) के अंतर्गत एक संस्थान है, जो विज्ञान, प्रौद्योगिकी, और नीति अनुसंधान से संबंधित कार्य करता है।
- इसका उद्देश्य वैज्ञानिक जानकारी और नीति अनुसंधान के माध्यम से समाज में जागरूकता और विकास को बढ़ावा देना है।

स्रोत: पीआईबी

Daily Current Affairs

Result Mitra

CSIR-NIScPR ने किया जनजातीय गौरव दिवस और जनजातीय गौरव वर्ष का आयोजन

CSIR-NIScPR के बारे में

कार्य:

- CSIR-NIScPR का प्रमुख कार्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी के महत्व को जनसाधारण तक पहुँचाना है।
- यह संस्थान वैज्ञानिक संवाद, मीडिया, और नीति शोध में योगदान करता है।
- यह विशेष रूप से विज्ञान संचार, प्रौद्योगिकी नीति, और विज्ञान पत्रकारिता में काम करता है।

स्रोत: पीआईबी

Daily Current Affairs

Result Mitra

CSIR-NIScPR ने किया जनजातीय गौरव दिवस और जनजातीय गौरव वर्ष का आयोजन

CSIR-NIScPR के बारे में

मूल उद्देश्य:

- इसका उद्देश्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में शोध को बढ़ावा देना, वैज्ञानिक खोजों की जानकारी को सरल और प्रभावी रूप से समाज तक पहुँचाना, और वैज्ञानिक विचारों को नीति निर्माण में शामिल करना है।

स्रोत: पीआईबी

Daily Current Affairs

Result Mitra

CSIR-NIScPR ने किया जनजातीय गौरव दिवस और जनजातीय गौरव वर्ष का आयोजन

CSIR-NIScPR के बारे में

प्रमुख गतिविधियाँ:

- विज्ञान और प्रौद्योगिकी नीति पर शोध।
- विज्ञान संचार और मीडिया के माध्यम से जागरूकता फैलाना।
- आदिवासी समुदायों के विकास और कल्याण के लिए कार्यक्रमों का आयोजन, जैसे कि CSIR Aroma Mission और Unnat Bharat Abhiyaan।

स्रोत: पीआईबी

Daily Current Affairs

Result Mitra

CSIR-NIScPR ने किया जनजातीय गौरव दिवस और जनजातीय गौरव वर्ष का आयोजन

CSIR-NIScPR के बारे में

प्रमुख गतिविधियाँ:

- विभिन्न सरकारी योजनाओं और मिशनों का संचालन और अध्ययन, जो समाज के विभिन्न वर्गों, विशेषकर आदिवासी समुदायों के लिए लाभकारी हो।

स्रोत: पीआईबी

Daily Current Affairs

Result Mitra

बिरसा मुंडा के बारे में

परिचयः

- बिरसा मुंडा भारत के एक प्रमुख आदिवासी नेता और लोक नायक थे, जिनका जन्म 15 नवंबर, 1875 को उलिहातु, वर्तमान झारखंड में हुआ था।
- उन्होंने 19वीं सदी के अंत में ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के खिलाफ आदिवासी विद्रोह में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

Daily Current Affairs

Result Mitra

बिरसा मुंडा के बारे में

परिचयः

- उनके जीवन और योगदान ने भारत में आदिवासी अधिकारों और स्वायत्तता की लड़ाई को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित किया।

प्रारंभिक जीवन और शिक्षा:

ईसाई

- बिरसा मुंडा मुंडा जनजाति से थे, जो छोटानागपुर पठार के मूलनिवासी लोगों का एक समूह था।
- उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा एक जर्मन मिशनरी स्कूल में प्राप्त की, लेकिन आदिवासियों को ईसाई धर्म में परिवर्तित करने के मिशनरियों के प्रयासों से उनका मोहभंग हो गया।

Result Mitra

प्रारंभिक जीवन और शिक्षा:

- इस अनुभव ने उनके मन में अपने समुदाय के अधिकारों और सांस्कृतिक पहचान के लिए संघर्ष करने का संकल्प जागृत किया।

Result Mitra

Daily Current Affairs

Result Mitra

बिरसा मुंडा के बारे में

जनजातीय विद्रोह में योगदानः

- बिरसा मुंडा की सक्रियता मुंडा उलगुलान या "महान उत्पात आंदोलन" के रूप में परिणत हुई

Daily Current Affairs

Result Mitra

बिरसा मुंडा के बारे में

जनजातीय विद्रोह में योगदानः

- यह आंदोलन दमनकारी ब्रिटिश भूमि नीतियों और मिशनरियों द्वारा जबरन धर्मांतरण के जवाब में शुरू हुआ था। बिरसा से मुंडा लोगों को औपनिवेशिक अधिकारियों और स्थानीय जमींदारों, जिन्हें दिकू कहा जाता था, दोनों के विरुद्ध लामबंद करने का प्रयास किया।

Result Mitra

बिरसा मुंडा के बारे में

प्रमुख कार्य और विचारधारा:

- **धार्मिक आंदोलन:** 1895 में बिरसा ने ईसाई धर्म त्याग दिया और बिरसाइत नामक एक नए धर्म की स्थापना की, जिसमें एक ही ईश्वर की पूजा को बढ़ावा दिया गया और पारंपरिक आदिवासी देवताओं को नकार दिया गया। जिसका लक्ष्य मुण्डा समुदाय को बाहरी दमन के खिलाफ एकजुट करना था।

Daily Current Affairs

Result Mitra

बिरसा मुंडा के बारे में

प्रमुख कार्य और विचारधाराः

ईश्वर का भेजा हुआ दूत

मुंडा राज की स्थापनाः

- बिरसा ने खुद को मुंडा राज्य को बहाल करने के लिए खुद को एक पैगंबर घोषित किया।
- उन्होंने अपने अनुयायियों से करों का भुगतान न करने और ब्रिटिश सत्ता को अस्वीकार करने का आग्रह किया। उन्होंने अपने स्वतंत्र शासन का प्रतीक के रूप में उन्होंने एक सफेद ध्वज अपनाया।

Result Mitra

बिरसा मुंडा के बारे में

प्रमुख कार्य और विचारधाराः

सशस्त्र प्रतिरोधः

- उनके अनुयायी गुरिल्ला युद्ध में शामिल थे, उन्होंने पुलिस स्टेशनों, सरकारी संपत्तियों और औपनिवेशिक शासन से जुड़े चर्चों पर हमला किया। प्रमुख घटनाओं में खूँटी में पुलिस थानों पर हमले और 1899 के क्रिसमस के दौरान चर्चों को जलाने की कोशिशें शामिल थीं।

Daily Current Affairs

Result Mitra

बिरसा मुंडा के बारे में

गिरफ्तारी और उपलब्धियां:

- बिरसा के आंदोलन ने गति पकड़ी, लेकिन ब्रिटिश सेना से उन्हें कठोर दमन का सामना करना पड़ा। वह मार्च 1900 में जंगलों में छिपे हुए थे, जहाँ उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया और 9 जून 1900 को संदिग्ध परिस्थितियों में कस्टडी में उनकी मौत हो गई-

Result Mitra

बिरसा मुंडा के बारे में

गिरफ्तारी और उपलब्धियां:

- आधिकारिक तौर पर उनकी मृत्यु का कारण हैजा को बताया गया, हालांकि कई लोगों का मानना है कि उन्हें जहर दिया गया था। सिर्फ़ 25 साल की उम्र में उनकी असमय मृत्यु के बावजूद, बिरसा मुंडा की उपलब्धियां उपनिवेशवाद के विरुद्ध आदिवासी प्रतिरोध के प्रतीक के रूप में आज भी जीवित है।

Daily Current Affairs

Result Mitra

साइक्लोन फेंगल

- साइक्लोन फेंगल 27 नवम्बर 2024 को तमिलनाडु के तटीय क्षेत्रों में भारी बारिश और तेज हवाएँ लाते हुए, चेन्नई और पुडुचेरी को प्रभावित कर रहा है, जिससे यातायात और हवाई यात्रा में व्यवधान हो रहे हैं।

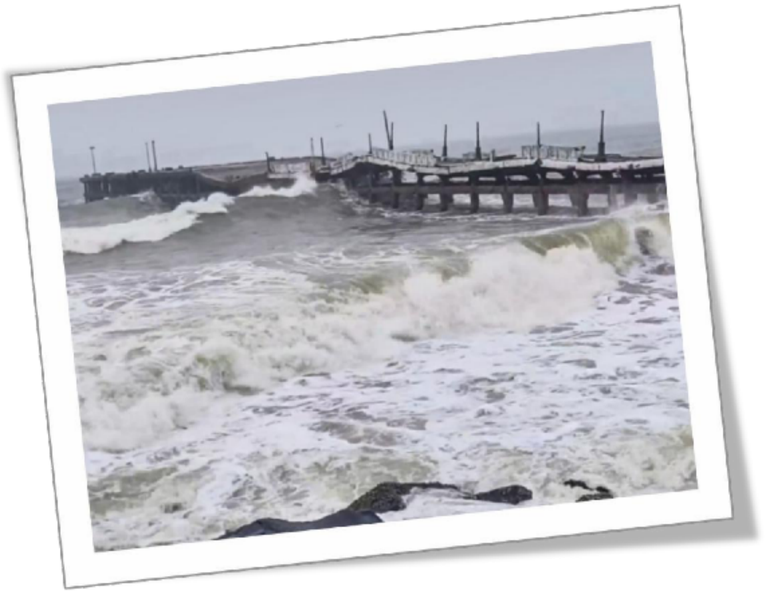

स्रोत: द इंडियन एक्सप्रेस

Daily Current Affairs

Result Mitra

साइक्लोन फेंगल

प्रमुख बिंदु:

- साइक्लोन फेंगल, जो तेज हवाओं और भारी वर्षा के साथ तमिलनाडु के तटीय क्षेत्रों, जैसे चेन्नई, पुडुचेरी और आसपास के जिलों को प्रभावित कर रहा है।
- प्रभावित क्षेत्रों जैसे चेन्नई, चेंगलपट्टू, कांचीपुरम और तिरुवल्लुर में स्कूलों और कॉलेजों में छुट्टी घोषित की गई है।

स्रोत: द इंडियन एक्सप्रेस

Daily Current Affairs

Result Mitra

साइक्लोन फेंगल

प्रमुख बिंदु:

- भारतीय मौसम विभाग (IMD) के अनुसार, साइक्लोन उत्तर-पश्चिम की ओर 13 किमी/घंटा की गति से बढ़ रहा है और यह वर्तमान में 8.5°N और 82.3°E पर केंद्रित है।
- साइक्लोन फेंगल के कारण चेन्नई हवाई अड्डे पर भारी व्यवधान हुआ है और 29 नवम्बर तक भारी वर्षा और यातायात में समस्याएँ आ सकती हैं।

स्रोत: द इंडियन एक्सप्रेस

Daily Current Affairs

Result Mitra

साइक्लोन फेंगल

प्रमुख बिंदु:

- वास्तविक समय में ट्रैक करने के लिए windy.com जैसे प्लेटफार्म्स ग्राफिकल अपडेट प्रदान करते हैं, जबकि Accuweather.com और mausam.imd.gov.in निरंतर अपडेट्स देते हैं।

स्रोत: द इंडियन एक्सप्रेस

Daily Current Affairs

Result Mitra

साइक्लोन फेंगल

साइक्लोन के नामकरण के बारे में:

- 2000 में, WMO/ESCAP (विश्व मौसम संगठन/संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक आयोग एशिया और प्रशांत के लिए) के सदस्य देशों (बांग्लादेश, भारत, मालदीव, म्यांमार, ओमान, पाकिस्तान, श्रीलंका और थाईलैंड) ने क्षेत्रीय चक्रवातों के नामकरण की प्रक्रिया शुरू की।

16 J

स्रोत: द इंडियन एक्सप्रेस

Daily Current Affairs

Result Mitra

साइक्लोन फेंगल

साइक्लोन के नामकरण के बारे में:

- प्रत्येक देश ने नाम सुझाए, जिन्हें WMO/ESCAP पैनल ने अंतिम रूप दिया।
- 2018 में, ईरान, कतर, सऊदी अरब, यूएई और यमन को भी शामिल किया गया।

स्रोत: द इंडियन एक्सप्रेस

Daily Current Affairs

Result Mitra

साइक्लोन फेंगल

साइक्लोन के नामकरण के बारे में:

IMD द्वारा सूची:

- अप्रैल 2020 में IMD ने 169 नामों की सूची जारी की।
- इसमें 13 देशों से 13 नाम शामिल थे।

स्रोत: द इंडियन एक्सप्रेस

Daily Current Affairs

Result Mitra

साइक्लोन फेंगल

साइक्लोन के नामकरण के बारे में:

महत्व:

- चक्रवातों के नाम लोगों के लिए याद रखना आसान बनाते हैं।
- इससे चक्रवातों की पहचान, जागरूकता, चेतावनी प्रसारित करने और एक ही क्षेत्र में कई चक्रवात होने पर भ्रम से बचने में मदद मिलती है।

स्रोत: द इंडियन एक्सप्रेस

Daily Current Affairs

Result Mitra

साइक्लोन फेंगल

नामकरण के नियम:

नाम तटस्थ होने चाहिए:

- (क) राजनीति और राजनेताओं से।
- (ख) धार्मिक विश्वासों से।
- (ग) संस्कृतियों और लिंग से।

स्रोत: द इंडियन एक्सप्रेस

Daily Current Affairs

Result Mitra

साइक्लोन फेंगल

नामकरण के नियम:

- नाम किसी भी समूह की भावनाओं को आहत नहीं करना चाहिए।
- नाम अशिष्ट या कठोर नहीं होना चाहिए।
- नाम छोटे, आसान और सभी के लिए स्वीकार्य होने चाहिए।
- नाम की अधिकतम लंबाई 8 अक्षर होनी चाहिए।
- नाम के साथ उसका उच्चारण और आवाज भी दिया जाना चाहिए।

स्रोत: द इंडियन एक्सप्रेस

Daily Current Affairs

Result Mitra

साइक्लोन फेंगल

नामकरण के नियम:

- उदाहरण के लिए, 2020 में "Amphan", 2021 में "Yaas", और 2023 में "Fani" जैसे नाम भारतीय क्षेत्र के साइक्लोन थे।
- इन नामों को भारत, बांगलादेश, श्रीलंका आदि देशों ने मिलकर चुना था, और ये नाम मौसम विज्ञानियों के लिए पहचान बनाने में मदद करते हैं।

स्रोत: द इंडियन एक्सप्रेस

Daily Current Affairs

Result Mitra

वर्ष 1950 के बाद पहली बार जम्मू और कश्मीर में संविधान दिवस मनाया गया

चर्चा में क्यों ?

- 26 नवंबर 2024 को संविधान अपनाने के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में जम्मू और कश्मीर (J&K) ने पहली बार इसे मनाया गया।
- आयोजन स्थल : शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर (SKICC), श्रीनगर

स्रोत: द इंडियन एक्सप्रेस

Daily Current Affairs

Result Mitra

वर्ष 1950 के बाद पहली बार जम्मू और कश्मीर में संविधान दिवस मनाया गया

चर्चा में क्यों ?

- उद्घाटन - वर्तमान जम्मू और कश्मीर उपराज्यपाल मनोज सिन्हा
- संविधान दिवस के 75 वर्ष पूरे होने पर विशेष
- इस वर्ष की थीम : "हमारा संविधान , हमारा स्वाभिमान"।

स्रोत: द इंडियन एक्सप्रेस

Daily Current Affairs

Result Mitra

वर्ष 1950 के बाद पहली बार जम्मू और कश्मीर में संविधान दिवस मनाया गया

संविधान दिवस

- प्रत्येक वर्ष 26 नवंबर को मनाया जाता है
- पूर्व नाम : वर्ष 2015 से पहले 26 नवंबर को कानून दिवस के रूप में मनाया जाता था
- 19 नवंबर, 2015 को इसे संविधान दिवस के रूप में मनाने की घोषणा
- 26 नवंबर, 2015 को पहला संविधान दिवस मनाया गया।

स्रोत: द इंडियन एक्सप्रेस

Daily Current Affairs

Result Mitra

वर्ष 1950 के बाद पहली बार जम्मू और कश्मीर में संविधान दिवस मनाया गया

संविधान दिवस

संविधान दिवस के रूप में 26 नवंबर ही क्यों ?

- 26 नवंबर 1949 को संविधान पर हस्ताक्षर किए गए।
- हालाँकि बाद में 26 जनवरी 1950 को इसे पूर्णता अपनाया गया
- (26 जनवरी 1929 लाहौर अधिवेशन की घोषणा के आधार पर इस दिन को संविधान लागू करने के लिए अपनाया गया)

स्रोत: द इंडियन एक्सप्रेस

Daily Current Affairs

Result Mitra

ग्वालियर में 100 टीपीडी गोबर आधारित सीबीजी संयंत्र का उद्घाटन

चर्चा में क्यों:

- 2 अक्टूबर 2024 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ग्वालियर में 100 टन प्रति दिन (टीपीडी) की क्षमता वाले गोबर-आधारित संपीड़ित बायोगैस (सीबीजी) संयंत्र का उद्घाटन किया। यह पहल "अपशिष्ट से धन" दृष्टिकोण को साकार करने का उदाहरण है।

स्रोत: पीआईबी

अपशिष्ट प्रबंधन और ऊर्जा उत्पादन

- यह संयंत्र ग्वालियर की सबसे बड़ी गौशाला, आदर्श गौशाला, में स्थित है, जो लालटिपारा क्षेत्र में है।
- ग्वालियर नगर निगम द्वारा संचालित इस गौशाला में 10,000 से अधिक मवेशी रहते हैं।
- यह भारत की पहली आधुनिक, आत्मनिर्भर गौशाला है, जिसमें पारंपरिक पशु देखभाल के साथ आधुनिक बायोगैस तकनीक का समावेश है।

Result Mitra

आधुनिक गौशाला और सीबीजी संयंत्र

- संयंत्र में मवेशियों के गोबर और घरों व मंडियों से प्राप्त जैविक कचरे (सब्जी व फलों के अपशिष्ट) को संपीड़ित बायोगैस में परिवर्तित किया जाता है।
- यह 100 टन गोबर से प्रतिदिन 2-3 टन बायो-सीएनजी और 10-15 टन जैविक खाद का उत्पादन करता है।
- इसके अलावा, विंडरो कम्पोस्टिंग के प्रावधान के माध्यम से अतिरिक्त जैविक कचरे का प्रसंस्करण भी किया जाता है।

Result Mitra

परियोजना की विशेषताएं और निवेश

- यह परियोजना 5 एकड़ में फैली हुई है और इसे इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन और जिला प्रशासन के सहयोग से 31 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया गया है।
- इस प्लांट को टिकाऊ विकास के उद्देश्य से डिज़ाइन किया गया है, जो कार्बन उत्सर्जन को कम करके पर्यावरण संरक्षण में योगदान देता है।

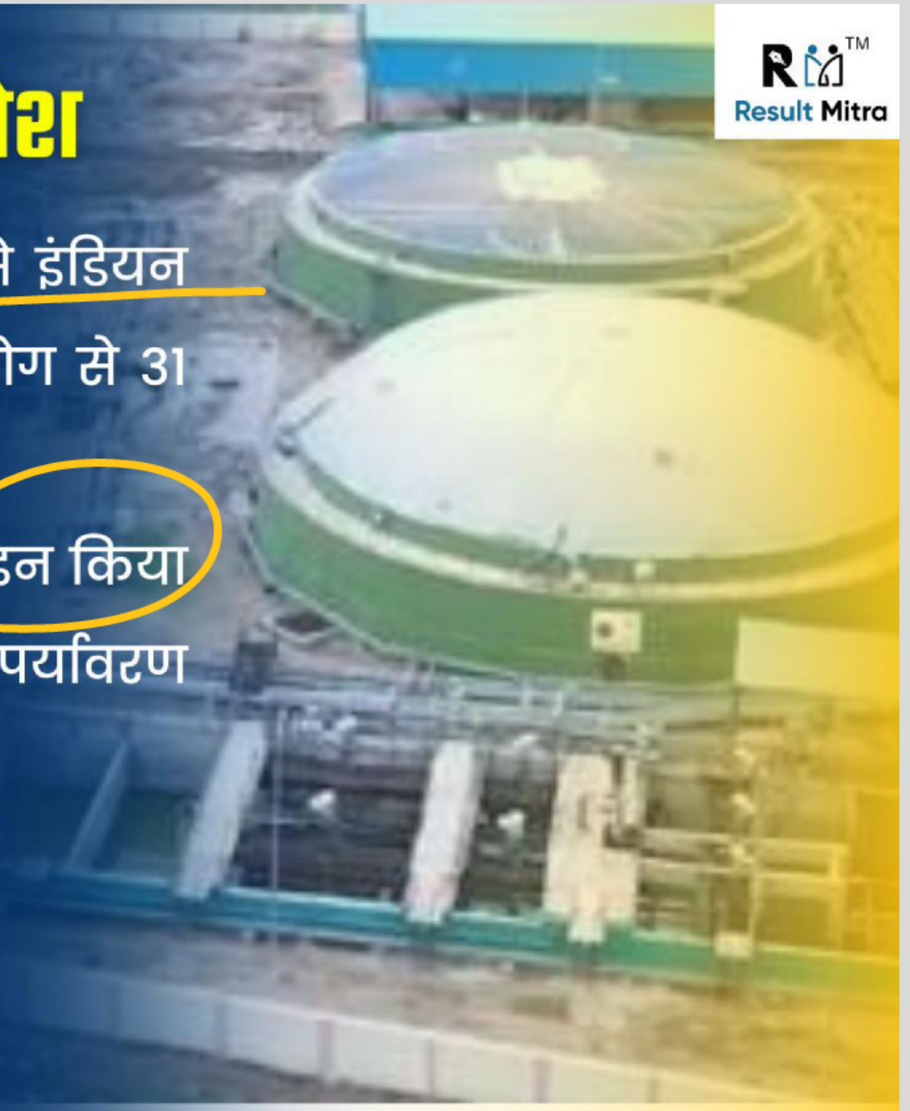

Result Mitra

Daily Current Affairs

Result Mitra

ग्वालियर में 100 टीपीडी गोबर आधारित सीबीजी संयंत्र का उद्घाटन

तकनीकी और पर्यावरणीय प्रभाव

- गोबर को बायोगैस और जैविक खाद में परिवर्तित करने से ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कमी आती है।
- यह संयंत्र स्वच्छ ऊर्जा का स्रोत बनकर पारंपरिक ईंधन का एक पर्यावरण अनुकूल विकल्प प्रदान करता है।

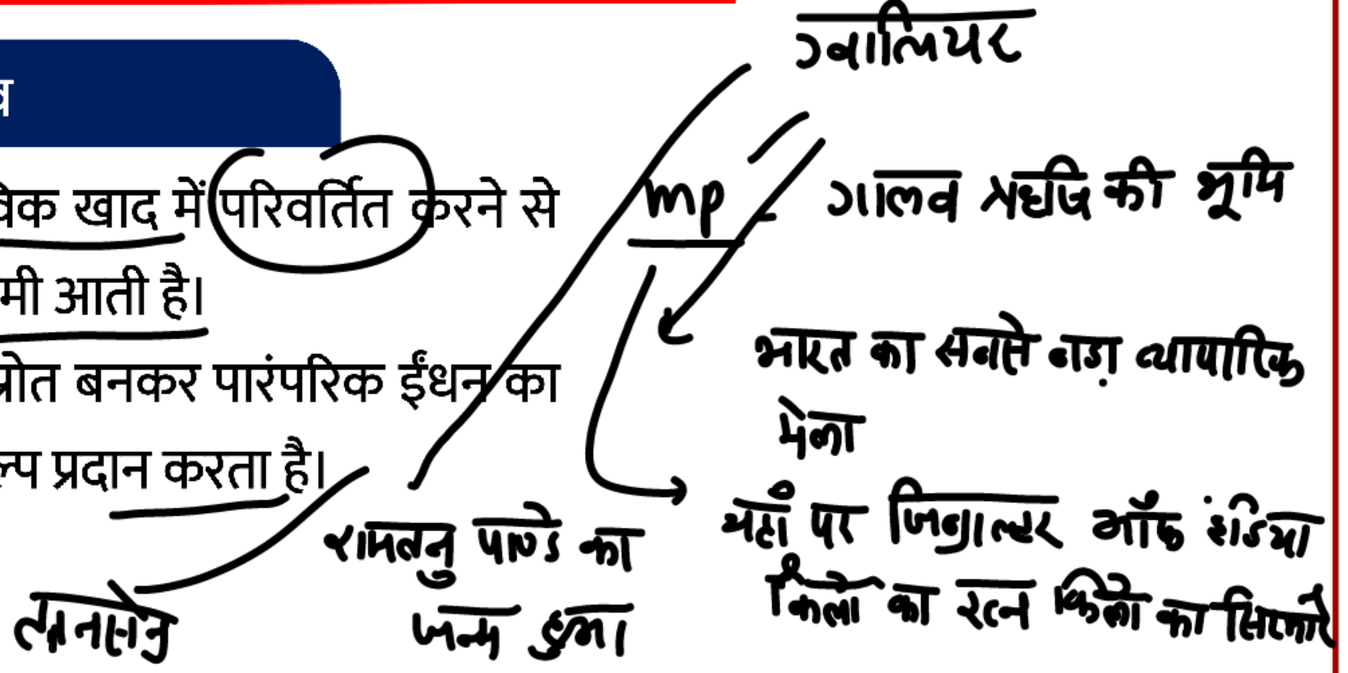

स्रोत: पीआईबी

Daily Current Affairs

Result Mitra

ग्वालियर में 100 टीपीडी गोबर आधारित सीबीजी संयंत्र का उद्घाटन

आर्थिक और सामाजिक लाभ

- रोजगार के अवसर: यह परियोजना स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन और हरित ऊर्जा अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देती है।
- किसानों के लिए लाभ: आसपास के जिलों के किसानों को किफायती दरों पर जैविक खाद उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे जैविक खेती को बढ़ावा मिल रहा है।

स्रोत: पीआईबी

Daily Current Affairs

Result Mitra

ग्वालियर में 100 टीपीडी गोबर आधारित सीबीजी संयंत्र का उद्घाटन

स्थिरता का मॉडल

- लालटिपारा गौशाला सीबीजी संयंत्र समाज और सरकार के सहयोग का उत्कृष्ट उदाहरण है।
- यह पर्यावरणीय, आर्थिक और सामाजिक लक्ष्यों के संतुलन के साथ स्थिरता का एक मॉडल प्रस्तुत करता है।
- यह आत्मनिर्भर गौशाला अन्य क्षेत्रों के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण है।

स्रोत: पीआईबी